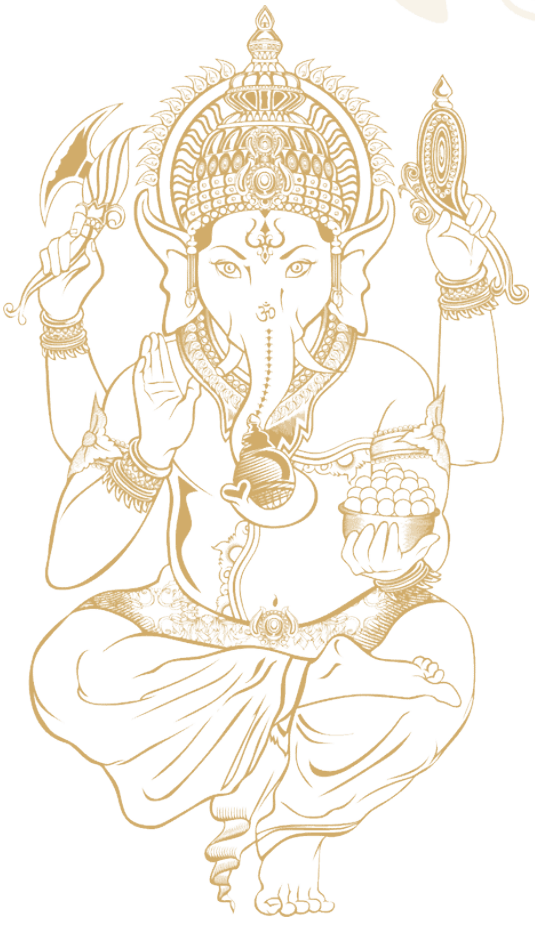

Jija

Didi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120410914

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/11/1993	जन्म तिथि	7-08/09/1998
रविवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 23:20:00	जन्म समय	04:55:00 घंटे
घटी 42:42:27	जन्म समय(घटी)	58:08:14 घटी
India	देश	India
Azamgarh	स्थान	Alwar
26:03:00 उत्तर	अक्षांश	27:32:00 उत्तर
83:10:00 पूर्व	रेखांश	76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:40	स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:15:01	सूर्योदय	06:05:10
17:08:52	सूर्यास्त	18:37:54
23:46:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 9वर्ष 2मा 22दि	25:48:40	कर्क	लग्न	सिंह	04:59:08	शनि 6वर्ष 6मा 13दि
केतु	28:36:12	तुला	सूर्य	सिंह	21:17:28	केतु
06/02/2020	10:11:26	वृश्चि	चंद्र	मीन	12:04:49	22/03/2022
06/02/2027	10:11:31	वृश्चि	मंगल	कर्क	17:46:11	22/03/2029
केतु 05/07/2020	12:46:44	तुला व	बुध	सिंह	05:59:16	केतु 18/08/2022
शुक्र 04/09/2021	07:09:14	तुला	गुरु व	मीन	00:17:44	शुक्र 18/10/2023
सूर्य 10/01/2022	13:18:33	तुला	शुक्र	सिंह	07:36:21	सूर्य 23/02/2024
चन्द्र 11/08/2022	00:07:27	कुंभ	शनि व	मेष	09:19:43	चन्द्र 23/09/2024
मंगल 07/01/2023	09:13:54	वृश्चि	राहु व	सिंह	07:37:53	मंगल 19/02/2025
राहु 25/01/2024	09:13:54	वृष	केतु व	कुंभ	07:37:53	राहु 10/03/2026
गुरु 31/12/2024	25:24:59	धनु	हर्ष व	मक	15:37:36	गुरु 14/02/2027
शनि 09/02/2026	25:09:55	धनु	नेप व	मक	05:50:44	शनि 25/03/2028
बुध 06/02/2027	01:31:51	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:36:11	बुध 22/03/2029

लग्न-चलित

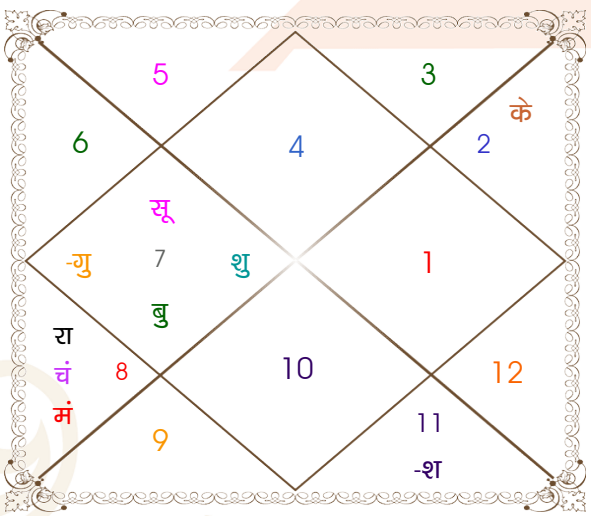

लग्न-चलित

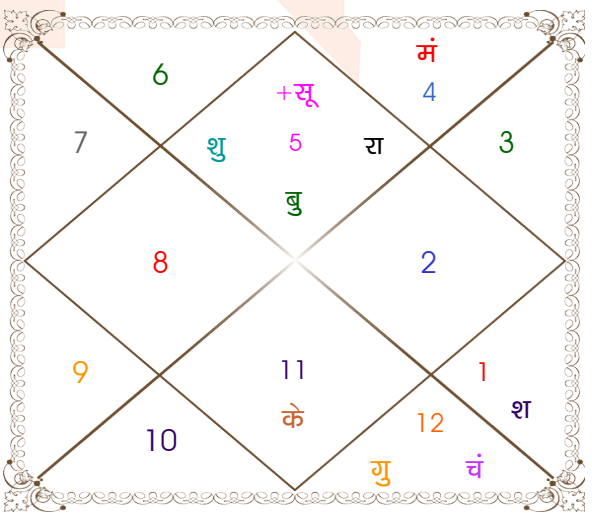

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Jija का वर्ग सर्प है तथा क्पकप का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jija और क्पकप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Jija मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

क्पकप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल क्पकप कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल क्पकप कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Jija तथा क्पकप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।